(e) if so, what are the main recommendations made by the Committee and the present stage of implementation thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM) : (a) to (e) A Committee under the Chairmanship of Dy. Governor, RBI and consisting of four others namely DGIT, JS, Deptt. of Economic Affairs, Chairman, SBI & President FIEQ was constituted. However, before the committee could meet and finalise recommendations, partial convertibility of the Rupee was introduced and Exim Scrips, were abolished by the Government w.e.f. 29.2.92. No action therefore is called for in the matter.

Trade relations with Russian countries

1817. Dr. NAGEN SAIKIA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) how many countries are newly formed after breaking away from U.S.S.R. with whom Government have established trade relations; and

(b) what is the present position in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) The Commonwealth of Independent States (CIS) has been established consisting of Russia, Belarus, Ukraine, Armenia, Moldavia, Azerbaijan, Kirghizstan, Kazakhstan, Tadjikistan, Turkmenistand and Uzbekistan. Georgia is not presently a member of the Commonwealth. India has signed trade and Economic Cooperation Agreements with Uzbekistan and kazakhstan. The Agreement has been initialled with the Russian Federation and is likely to be signed shortly. Discussions have been held on concluding Trade Agreement with the Governments of Belarus, Ukraine, Azerbaijan and Kirghizstan.

कुछ वस्तुओं के निर्यात में कमी

1818. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि कुछ वस्तुओं के निर्यात में कमी हो गई है;

(ख) यदि हां, तो किन-किन वस्तुओं के निर्यात में कमी आई है; और

(ग) जिन वस्तुओं के निर्यात में कमी आई है, उनके निर्यात को बढ़ाने के लिए सरकार ने क्या प्रयत्न किए हैं?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी॰ चिदम्बरम): (क) जी, हां।

(ख) अप्रैल-दिसम्बर, 1991 अवधि के दौरान अप्रैल-दिसम्बर 1990 की तुलना में जिन प्रमुख वस्तुओं के निर्यातों में गिरावट आई हैं उनमें ये शामिल हैं; चाय, एच पी एस मूंगफली, कपास तथा पैट्रोलियम उत्पाद।

(ग) सरकार ने अनेक उपाय आरम्भ किए हैं जिनका उद्देश्य सामान्यतः निर्यातों में वृद्धि करना है। इनमें ये शामिल हैं, रुपये को आंशिक रूप से परिवर्तनीय बनाना टैरिफ दरों में कमी करना, अग्रिम लाइसेंसिंग योजना को सुदृढ़ बनाना, निर्यात बाजारों का विविधीकरण आदि। चाय के निर्यातों में वृद्धि करने के लिए किए गए विशेष उपायों में शामिल हैंः यूरोप तथा खाड़ी के देशों को औद्योगिक प्रतिनिधिमंडल भेजना, विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मेलों में भाग लेना, ब्रांड संवर्धन योजना शुरू करना, ब्रिटेन में दार्जिलिंग तथा असम लोगो के लिए अभियान, गहन मीडिया अभियान आदि। एच पी एस मूंगफली के निर्यातों में वृद्धि करने के लिए किए गए उपायों में शामिल हैंः गुजरात के प्रमुख मूंगफली जिलों में प्रदर्शन फार्मों की स्थापना, मूंगफली उपजकर्ताओं में पैदावार के बाद की प्रक्रिया जैसे मूंगफली निकालना, भंडारण, ढुलाई आदि को लोकप्रिय बनाना, बढ़िया किस्म की मूंगफली का उत्पादन करने के लिए ठेका-कृषि गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला की स्थापना, क्वालिटी में सुधार लाने के लिए शुल्क मुक्त कलर सार्टिंग मशीनों का आयात उदार बनाना। जहां तक कपास का संबंध है देश में वर्तमान रूई स्थिति को देखते हुए वर्ष 1991-92 मौसम के दौरान निर्यात के लिए और आगे किसी प्रकार का कोटा रिलीज करने की गुंजाइश नहीं है। पैट्रोलियम उत्पादों का निर्यात हमारे निर्यात के लिए बेशी माल की उपलब्धता पर निर्भर करता है जो कि इन उत्पादों की घरेलू खपत पर निर्भर होता है। इन उत्पादों की जितनी बेशी मात्रा का सृजन किया जाएगा, उसे निर्यात किया जाएगा।